

बेटा शराबी और नेक माँ का वाक्या | By Waheed Nizami

तुमको सुना रहा हूँ
तुमको सुना रहा हूँ सुनो ध्यान से ज़रा
बेटा शराबी और नेक माँ का है वाक्या

इस दौर के समाज की घटना है ये सच्ची
होते ही रहते हादसे हैं ऐसे आज भी
माँ और उसका बेटा वो रहते थे साथ साथ
बेटा शराब पी के जो आता था आधी रात
माँ उसकी बेवा उसका ना दुनिया में पति था
बीमार बहुत दिन से था दुनिया से चल बसा
थी माँ अकेली एक ही तो उसका बेटा था
बेटे को लाड प्यार में उसने बिगाड़ा था
आता शराब पी के अपनी माँ को डांटता
कहती जो माँ तो माँ को ही बेटा वो मारता

खाना जो रखती सामने खाने को फेंकता
सारा ज़माना बेटे पे लानत था भेजता
लेकिन वो माँ थी सब्र का दामन ना छोड़ती
पढ़ती नमाज़ और दुआ रब से मांगती
या रब मेरे बेटे को तू बस नेक बना दे
या रब मेरे बेटे से तू शराब छुड़ा दे
मैं माँ हूँ मेरी सुनले मेरे दिल की गुहार है
सुनता है तू ही बन्दों को बेशक पुकार है
पीता शराब और जुआ भी है खेलता
दिन भर कमा के शाम जुआ में वो हारता

माँ उससे जब भी पूछती पैसे कहाँ गए
गाली गलौज करता वो कहता भला बुरा
बेटे का जुल्म सेहती वो हिम्मत ना हारती
सजदे में जाके अपने वो रब को पुकारती
माँ को बड़ा यकीन था रंग लाएगी दुआ
तू है बड़ा करीम तेरा मुझको आसरा
एक बार ज़िन्दगी में हुआ ऐसा हादसा
बेटा सुबह से देखो किसी काम पर गया
लौटा ना उसका बेटा तो हैरान हो गई
ढलने लगी थी रात परेशान हो गई

गुज़री जो आधी रात तो बेटा नहीं आया
घबराई माँ आँखों में अँधेरा सा छा गया
इतने में एक अजनबी दरवाज़े पर आया
दुर्घटना की खबर वो अपने साथ में लाया
पीकर शराब बेटा सड़क पर पड़ा मिला
देखो लहू लुहान वो जख्मों से चूर था
हाथों में और पैरों में तो चोट आई थी
टकरा गया ट्रक से बहुत चोट खाई थी
मैंने तो अस्पताल में एडमिट कराया है
घटना जो हो गई है तुमको बताया है

ये सुनके माँ तो देखो बड़ी बदहवास थी
रोने लगी वो सुनके बहुत वो उदास थी
बेटे को बचा ले मेरी मुश्किल कुशाई कर
एक माँ की ये दुआ है मेरी रहनुमाई कर
बेटे की देख रेख वो करती थी ध्यान से
बेटे को चाहती थी बहुत दिल से जान से
हफ्तों महीने बीत गए अच्छा हो गया
वो बेटा अस्पताल से फिर घर पे आ गया
माँ की मोहब्बतों का असर बेटे पे हुआ
उसने जुए शराब से फिर तौबा कर लिया

वो तो बुरे माहौल से बाहर निकल गया
पत्थर का दिल था मोम की तरह पिघल गया
माँ और बेटा दोनों तो खुशहाल हो गए
ख के करम से दोनों मालामाल हो गए
चेहरा तुम अपनी सारी बुराई से मोड़ दो
ये वाक्या है तुम बुरी सांगत को छोड़ दो
दुनिया में बुरे काम का अंजाम बुरा है
माँ बाप की सेवा करो संदेस मेरा है
तर्क ये नसीहत है सुनाने के वास्ते
ये नौजवान सारे ज़माने के वास्ते

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%ac%e0%a5%87%e0%a4%9f%e0%a4%be-%e0%a4%b6%e0%a4%b0%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a5%80-%e0%a4%94%e0%a4%b0-%e0%a4%a8%e0%a5%87%e0%a4%95-%e0%a4%ae%e0%a4%be%e0%a4%81-%e0%a4%95%e0%a4%be-%e0%a4%b5%e0%a4%be/>